

---

# Shri Hathinarayanacharyakritam Shritirtharajamangalam

---

श्रीहठिनारायणार्यकृतं श्रीतीर्थराजमङ्गलं

---

## Document Information

---

Text title : Shri Hathinarayanacharyakritam Shritirtharajamangalam

File name : tIrtharAjamangalaMhaThInArAyaNAchArya.itx

Category : raama, rAmAnanda, mangala

Location : doc\_raama

Author : haThInArAyaNAchArya

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 3, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 3, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीऽढीनारायणार्थकृतं श्रीतीर्थराजमङ्गलं

---



रामं नारायणं याथ रामानन्दं यतीश्वरम् ।  
कुर्वे गुरुं च नत्वाऽऽहं श्रीतीर्थराजमङ्गलम् ॥ १ ॥

रामानन्दार्थरूपेणावतीर्णो यत्र राघवः ।  
तस्मै ङि तीर्थराजाय नित्यं भवतु मङ्गलम् ॥ २ ॥

राजसा यत्क्षितिः पूता सीतारामपदाब्जयोः ।  
तस्मै ङि तीर्थराजाय नित्यं भवतु मङ्गलम् ॥ ३ ॥

नित्यो भोगश्च भोक्षश्च यत्र वासेन लभ्यते ।  
तस्मै ङि तीर्थराजाय नित्यं भवतु मङ्गलम् ॥ ४ ॥

सिद्धैश्च मुनिभिर्योऽङ्गि सेव्यते विबुधैस्तथा ।  
तस्मै ङि तीर्थराजाय नित्यं भवतु मङ्गलम् ॥ ५ ॥

रामस्य श्रूयते यस्मिन् डीर्त्तनं यशितं तथा ।  
तस्मै ङि तीर्थराजाय नित्यं भवतु मङ्गलम् ॥ ६ ॥

ऽढीनारायणार्थद्वारपीठेशनिर्मितम् ।  
भवतान्मङ्गलं चैतज्जगन्मङ्गलकारकम् ॥ ७ ॥

०ति श्रीऽढीनारायणार्थकृतं श्रीतीर्थराजमङ्गलं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

---

